

190/2021

हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियल्य जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस हुक्म  
की तामील में जारी हुए

1/22


पत्रावली आज पेश हुई। S.D.O. साहब  
अन्य कार्यों में व्यस्त होने से पत्रावली  
दिनांक 14/11/22 को पेश हो।  
r/m

14/11/22

पत्रावली आज पेश हुई। S.D.O. साहब  
अन्य कार्यों में व्यस्त होने से पत्रावली  
दिनांक 2/12/22 को पेश हो।  
r/m

2-12-22

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थीगण वकील  
उपस्थित। वि. प्रार्थी संख्या - 38 वकील  
उपस्थित। पत्रावली लम्बे समय से  
कायम मुकामात पेश कर स्वयं करने के  
स्तर पर विचाराधीन है। पत्रावली  
के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि  
प्रार्थीगण एवं वि. प्रार्थी सं. 38 दोनों  
प्रार्थना पत्र के प्रतिगामीर नहीं हैं।  
प्रार्थीगण इच्छित को हानि में रखते  
हुए अवसर आने पर अपरपक्ष रूप  
से अंतिम अवर रियाजा है, हर  
हालत में कायम मुकाम पेश करें अभाव  
में नतीज प्रार्थना पत्र की अंततः पर  
को ज. प्रार्थना पत्र अर्पित कर दिया  
जब पत्रावली अर्पित की गई घालना  
करते हुये दिनांक 19.12.22 को पेश हो।


  
उप जज अधिकारी  
(S.D.O.) बालोतरा

9/12/22

पत्रावली आज पेश हुई। S.D.O. साहब  
अन्य कार्यों में व्यस्त होने से पत्रावली  
दिनांक 28/12/22 को पेश हो।  
r/m

23-12-22

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थीगण एवं वि. प्रार्थी सं. 38  
के वकील अनुपस्थित। पत्रावली लम्बे समय से  
कायम मुकामात को रेकॉर्ड पर लेने हेतु प्रार्थना पत्र  
पेश करने के स्तर पर विचाराधीन है, अतः पेश  
दिनांक पर हर हालत में कायम मुकाम का अर्पण  
पत्र पेश करने हेतु अंतिम अवर रियाजा,

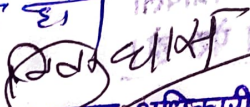
  
उप जज अधिकारी  
(S.D.O.) बालोतरा

तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियल्य जज

----- के बाद आज भी पेश नहीं कर पूर्व  
आदेशिका की पालना नहीं की गई। अतः प्रत्येक  
पत्र अदम तकमील, अदम पेंनी में रवारिज  
क्रिया आज न्यायोचित प्रतीत होता है।  
लिहाजा प्रकरण अदम तकमील, अदम पेंनी में  
रवारिज क्रिया जाता है।

पत्रावली फंसल शुमार होकर नम्बर से कम  
होकर दारिजल अपत्र हो

  
उप खण्ड अधिकारी  
(S.D.O.) बालोतरा